विजयरायर पाद

विजयरायर पाद निजवागि नंबलु
अजन पितनु तानॆ ऒलिवा ||प|
द्विजकेतन गुणव्रजव कॊंडाडुवा
सुजन मंदारनीत-प्रख्यात ||अ.प||
वि ऎंदु निडियलु विषयलंपट दूर
ज ऎंदु नुडियलु जनन हानि
य ऎंदु कॊंडाडॆ यमभटरु ओडुवरु
राय ऎंदेनलु हरिकावा-वरवीवा ||१|
इवर स्मरणॆयॆ स्नान इवर स्मरणॆयॆ ध्यान
इवर स्मरणॆयॆ अमृतपान
इवर स्मरणॆय माडॆ युवतिगक्षयवित्त
त्रिविक्रमनु मुंदे नलिवा-ऒलिवा ||२||
वारणासिय यात्रे मूरु बारि माडि
मारपितनॊलुमॆयनु पडॆदु
मूरवतारदा मध्वमुनिरायर
चारुचरणवनु भजिप-मुनिपा ||३||
पुरंदरदासरा परमानुग्रह पात्र
गुरु विजयरायनीता
सिरि विजयविठलन्न श्रीनिवासाचार्यरु
हरियाज्ञॆयिंद कॊट्टरू दिट्टरू ||४||
दानधर्मदि महा औदार्यगुण शौर्य
श्रीनिवासन प्रेमकुवरा
मानवीसीमॆ चीकलपरिनिवास मो
हन्नविठलन निज दासा-उल्लासा ॥५॥